अनुक्रमांक.....

3111 – A

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

आधार पाठ्यक्रम (हिन्दी भाषा)

नैतिक मूल्य और भाषा

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 40
स्वाध्यायी 50

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. मुहावरें और लोकोक्ति का अर्थ स्पष्ट करते हुए दोनों में अन्तर स्पष्ट कीजिए एवं उदाहरण भी दीजिए।

2. सिद्ध कीजिए कि सोशल मीडिया के कारण सामाजिक जीवन में अभूतपूर्व परिवर्तन आए हैं। स्पष्ट कीजिए।

3. संक्षिप्ति की परिभाषा देते हुए उदाहरण लिखिए।

4. अनुस्मारक का तात्पर्य स्पष्ट करते हुए इसका प्रारूप सोदाहरण समझाइए।

5. सेल्युलर फोन की तीनों पीढ़ियों पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

6. अच्छे अनुवाद की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

7. सभी धर्मों के मध्य नैतिकता किस प्रकार एक सेतु का काम करती है? स्पष्ट कीजिए।

8. गुरुनानकजी के आने से भारत के लोगों में क्या परिवर्तन आया?

9. सत्य और अहिंसा के विषय में गाँधी जी के विचारों को समझाइए।

10. हिंदी भाषा की उत्तरोत्तर समृद्धि के लिए क्या प्रयास किए जाने चाहिए? विस्तार से लिखिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3111 – B

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

आधार पाठ्यक्रम (अंग्रेजी भाषा)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 40
स्वाध्यायी 50

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. Summarize the poem "Stopping by Woods on a Somwy Evening".

2. How the Communication revolutionized the World ?

3. Who are the Magi in the story 'The Gift of the Magi'?

4. Sketch the character of Rakesh as given in the story "The Cherry Tree".

5. Do as directed (any four):

(i) Rohit is never ..... time. (at/on)

(Put the correct preposition)

(ii) Radha reads ..... Ramayan daily.

(Put the correct article in blank)

(iii) We (go) to market yesterday.

(Put the correct form of the verb and rewrite the sentence)

(iv) Rajan is dancing.

(Find the noun in the sentence)

(v) He runs ..... (fast/fastly)

(Put the correct adverb in the blank)

6. Expand the idea contained in the following topics (any one):

(i) Time and tide wait for none.

(ii) Where there is a will there is a way.

(iii) Necessity is the mother of invention.

7. Translate the following passage into English:

शौर्य और वैभव अच्छे दोस्त हैं। दोनों कक्षा सातवीं के विद्यार्थी हैं। दोनों को विज्ञान विषय पसंद है। वे बड़े होकर चिकित्सक बनना चाहते हैं। वे बीमार लोगों का इलाज कर उन्हें स्वस्थ बनाने की इच्छा रखते हैं। शौर्य चाहता है कि वह गरीबों का मुफ्त में इलाज करे। वैभव की इच्छा है कि वह गरीबों के लिए एक अस्पताल बनाये। दोनों दोस्त डॉक्टर बनने के लिए बहुत मेहनत करते हैं।

8. Translate the following passage into Hindi:

Mahatma Gandhi was the greatest man of his age. He was born on October 2, 1869 at Porbandar in Gujrat. His father was the minister or dewan of a State and his mother was an ideal lady. After finishing his education in India, he went to England to become a barrister. Having secured the degree he returned to India. He started practice in South Africa, but soon after he started Satyagraha Movement for improving the conditions of Indians there. After Gandhi-Smuts—Compromise he came back to India.

9. What are the advantages and disadvantages of Social Media?

10. Make a precis of the following and give a suitable title:

A Constituent Assembly was formed to frame a new constitution for free India. Shri Rajendra Prasad was the chairman of this committee. Dr. B. R. Ambedkar was the chairman of the Drafting Committee. The wise members studied the constitutions of many countries and that after a labour of more than three years a draft resolution was made. After a big debate the new constitution was made ready. It was put in force from 26 January, 1950. This constitution has two important aspects. Firstly it provides for a democratic government which is parliamentary in form. Secondly it provides for a secular

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3111 – C

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

आधार पाठ्यक्रम (कम्प्यूटर)

BASIC OF COMPUTER AND INFORMATION TECHNOLOGY

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 40
स्वाध्यायी 50

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. नई स्लाइड में मुव, कॉपी, डीलीट, डुप्लीकेट स्लाइड के बारे में आप क्या जानते हैं?

2. प्रिंट स्लाइडस नोटस हैण्ड आउट तथा आउट लाइन के बारे में आप क्या जानते हैं?

3. हाइपर और एक्सन बटन के बारे में आप क्या जानते हैं?

4. ओल्ड स्टाइल पजेनेशन को इनटु न्यू स्टाइल पजेनेशन में स्मार्ट आर्ट ϑ को δη' कैसे बदलेगा।

5. सेल पफार्मेटिंग तथा कन्सेप्ट आफ रेन्ज को समझाइए।

6. VAST ब्राडबेन्ड, वाईफाई, URL तथा $W_1F_1U_{RL}$ के बारे में आप क्या जानते है ?

7. ट्रेड लाइन, वेब वर्ड और फारवर्ड फारकॉस्टींग के बारे में आप क्या जानते है?

8. वेव साइड सेटींग और डायनेमिक ज्ञात कीजिए तथा वेव साइड तथा पोर्टल में अन्तर बताइए।

9. नेट वर्किंग लेन, केन तथा येन और नेटवर्क टापोलाजी स्टार, रीग, हाइबीड के बारे में आप क्या जानते है? उदाहरण सहित समझाइए।

10. कम्पांउड कम्प्यूटिंग तथा आपिफस वेब एप्लीकेशन के बारे में आप क्या जानते है?

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3112

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

अनिवार्य संस्कृत

संस्कृतवाङ्मयस्येतिहासः

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. वेदानां वैशिष्टयं निरूप्यताम्।

2. वैदिकवाङ्मयं प्रकाश्यताम्।

3. वेदाङ्गानां स्वरूपं विलिख्य शिक्षायाः महत्त्वं प्रतिपादयत।

4. 'मुखं व्याकरणं स्मृतम्' इति विवेच्यताम्।

5. पुराणस्यार्थं विलिख्य कस्यचिदेकस्य पुराणस्य महत्त्वं प्रकाश्यताम्।

6. शिवपुराणस्य वण्र्य विषयं लिखत।

7. महाकाव्यस्य लक्षणं प्रतिपाद्य शिशुपालवद्यस्य परिचयो देयः।

8. गद्यकाव्यस्य विकासक्रमं विलिख्य हर्षचरितस्य महत्त्वं विवेचयत।

9. दृश्यकाव्यस्य परिचयं प्रस्तूय वेणीसंहारस्य कथासारांशो लेख्यः।

10. रूपकाणां भेदान् प्रदर्श्य कस्यचिदेकस्य रूपकस्य वर्णनं क्रियताम्।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3113-A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग फलितज्योतिष (भावफलविवेचनम्)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. ग्रहमैत्रीविषयमधिकृत्य निबन्धः लेख्यः।

2. बालारिष्टयोगान् सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

3. अरिष्टभङ्गयोगान् उदाहरणपुरस्सरं प्रतिपाद्यताम्।

4. अनपत्यतायोगान् विलिख्य दोषनिवारणाय उपायानपि लिखत।

5. राजयोगान उदाहरणपुरस्सरं प्रतिपाद्य राजयोगकारकानि सामुद्रचिह्नानि विलिख्यताम्।

6. विषकन्यायोगान् विविच्य दोषनिवारणोपायानपि लिखत।

7. सूर्यस्य शयनादि-अवस्थाफलं लिखत।

8. ग्रहाणां बालादि-अवस्थाः उदाहरणपुरस्सरं सफलं च प्रस्तूयताम्।

9. दशमभावविचारं सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

10. दशाफलविचारः कथं क्रियते?

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3113-B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग फलितज्योतिष (जैमिनी सूत्रं जातक शास्त्रञ्च)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. जैमिनिमतेन ग्रहदृष्टिस्थानानि विलिख्य अर्गलायोगं विस्तरेण प्रतिपादयत।

2. कारकाः कतिधा? सप्रमाणं उदाहरण सहितं वर्णयत।

3. जैमिनिमतेन आयुर्दाय विचारं विस्तरेण कुरुत।

4. रूद्रग्रहः कः? स्पष्टं कृत्वा ब्रह्मग्रहं निधनयोगं मारकग्रहाणाञ्च विस्तरेण विवेचनं कुरुत।

5. त्रिकभावानां विचारं विस्तरेण कुरुत।

6. धन-भाग्य-आयभावानां विस्तरेण विवेचनं कुरुत।

7. कुष्ठ-हृदय-व्रण-बन्धनयोगान् विशदयत।

8. विषकन्यायोगान् विस्तरेण वर्णयत।

9. पूर्णायुः कः? भेदसहितं विस्तरेण योगानां विवेचनं कुरुत।

10. त्रिकोणभावैः लग्नेशसम्बन्धफलं विविच्यत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3113-C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग फलितज्योतिष (होराशास्त्रम्)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. ग्रहमैत्री-विचारं सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

2. अरिष्टयोगान् विवेचयंत।

3. राजयोगान् सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

4. नाभसयोगः कतिविधः? कानपि दशयोगान् सफलं प्रस्तूयताम्।

5. चन्द्रे मिथुनकर्कसिंहेषु स्थिते सति जातः कीदृशः भवति?

6. बृहस्पतेः राशिफलं सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

7. चन्द्रबुधयोः भावफलं सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

8. कानपि चतुरः अनिष्टयोगान् उदाहरणपुरस्सरं विलिख्यताम्।

9. स्त्रीजातकानांकृते फलविचारं कथं क्रियते?

10. मेषराशेः द्रेष्काणानाम् स्वरूपं लिखत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3114-A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग नव्यव्याकरण (परिभाषेन्दुशेखरः)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. ग्रन्थस्य मङ्गलाचरणं विलिख्य भावं लिखत।

2. 'कार्यकालं सञ्ज्ञापरिभाषम्' इति परिभाषायाः स्वारस्यं लिखत।

3. ''शत्रानेकविधमान्तर्यं तत्रा स्थानत- आन्तर्यं बलीयः'' इति परिभाषायाः व्याख्या कार्या।

4. ''अर्थवद्ग्रहणे नानर्थग्रहणम्'' इति परिभाषायाः व्याख्या कार्या।

5. ''पदाङ्गाधिकारे तस्य च तदन्तस्य च'' इति परिभाषायाः आशयं विवेचयत।

6. 'व्यपदेशिवद्' इति आशयं लिखत।

7. ''पुनः प्रसङ्गविज्ञानात्सिद्धम्'' इत्यस्याः परिभाषायाः स्वारस्यं लिखत।

8. ''विकरणेभ्यो नियमो बलीयान्'' इति परिभाषायाः भावो लेखनीयः।

9. ''अन्तरङ्गानपि विधीन बहिरङ्गो लुग् बाधते'' इति परिभाषां विवेचयत।

10. परिभाषेन्दुशेखरस्य सप्रकरणं परिचयो देयः।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3114-B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग नव्यव्याकरण (परिभाषेन्दुशेखरः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. ''अभ्यासविकारेषु बाध्यबाधकभावो नास्ति'' इति परिभाषा कथं ज्ञापिता? यथाग्रन्थं स्पष्टयत।

2. ''उभयनिर्देशे पञ्चमीनिर्देशो बलीयान्'' इतीमां परिभाषां नागेशोक्तरीत्या व्याख्यात।

3. ''नञिवयुक्तमन्यसदृशाधिकरणे तथा ह्यर्थावगतिः'' इतीमां परिभाषां स्पष्टयत।

4. ''समासान्तविधिरनित्यः'' इतीमां परिभाषां यथाशेखरं व्याख्यात।

5. लुग्विकरणालुग्विकरणयोरित्यादिपरिभाषां यथाग्रन्थं सङ्क्षेपेण प्रतिपादयत।

6. ''अङ्गवृत्ते पुनर्वृत्तावविधिः'' इत्यस्याः परिभाषायाः अनित्यत्वं यथाग्रन्थं परिशीलयत।

7. ''उपपदविभक्तेः कारकविभक्तिर्बलीयसी'' इतीयं परिभाषां वाचनिक्येव प्रतिपादयत।

8. ''सामान्यातिदेशे विशेषानतिदेशः'' इतीमां परिभाषां यथाग्रन्थं व्याख्यात।

9. ''पूर्वत्रासिद्दीयमद्वित्वे'' इत्यस्याः परिभाषायाः ¯क लिङ्गम्? यथाग्रन्थं सोपपत्तिपूर्वकमुपपादयत।

10. ''सम्प्रसारणं तदाश्रयञ्च कार्यं बलवत्'' इतीमां परिभाषां यथाग्रन्थं स्पष्टयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3114-C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग नव्यव्याकरण (परिभाषेन्दुशेखरः)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. 'लघुशब्देन्दुशेखरस्य मङ्गालाचरणं लिखत।

2. 'मुनित्रयं नमस्कृत्य' इत्यत्र नमः स्वस्ति इति सूत्रेण चतुर्थी कथन्न? शेखर दिशा लिखत।

3. 'अचः परस्मिन् पूर्वविधौ' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

4. 'कुररामिति' पदस्यार्थः कः? क्रेयमि' ति पदं कुत्र प्रयोज्यम्? लिखत।

5. 'एङि पररूपम्' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

6. 'अकोऽकि इति सुवचम्। इति पङ्क्ति विवेचयत।

7. 'प्रत्यभिवादे शूद्रे' इत्यत्र प्रत्यभिवाद पदस्य व्याख्याय्य सूत्र विवेचयत।

8. 'शे' इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यायताम्। 'यथासङ्गखरामनुदेशः समानाम्' इति सूत्रस्य व्याख्यायताम्।

9. 'चयो द्वितीयाः शरिपौष्करसादेरिति वाच्यम्' इत्यत्र पौष्करसादिपदं विविच्य वार्तिकं व्याख्यात।

10. 'विप्रतिषेधे परं कार्यम्' इति सूत्रस्य व्याख्या कार्या।

-----X-----

अनुक्रमांक......................

3115-A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग शुक्लयजुर्वेद (महीधरभाष्यम्, प्रतिज्ञा परिशिष्ट च)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. अनुस्वारस्य गुकारादेशप्रक्रियां प्रतिज्ञासूत्रदिशा सविस्तरं बोधयत।

2. यकास्यजकारोच्चारण प्रक्रियां प्रतिज्ञासूत्रदिशा व्याख्यात।

3. सप्तमाध्यायस्य सारं विलिखत।

4. मन्त्रद्वयं ऋषि-देवता-छन्दः-विनियोग पुरस्सरं महीधरदिशा व्याख्यात।

(क) वाचस्पतये पवस्व वृष्णो अंशुभ्यां गभस्तिपूतः।
देवो देवेभ्यः पवस्व येषां भागोऽसि।।

(ख) उदु त्यं जातवेदसं देवं वहन्ति केतवः।
दृशे विश्राम सूर्य स्वाहा।

(ग) ब्राह्मणमद्य विदेयं पितृमन्तं पैतृमत्यमृषिमार्षेयं सुधातुदक्षिणम्।
अस्मद्राता देवता गच्छत प्रदातारमाविशत।।

5. अष्टमाध्यायज्य सारं विलिखत।

6. मन्त्रद्वयं ऋषि-देवता-छन्दः-विनियोग पुरस्सरं महीधरदिशा व्याख्यात।

(क) संवर्चसा पयसा संतनूभिरगन्महि मनसा सं शिवेन।
त्वष्टा सुदत्रो विदधातु रायोऽनुमाष्टु तन्वो यद्विलिष्टम्।।

(ख) देवा गातुविदो गातुं वित्त्वा गातुमित।
मनसस्पत इमं देव यज्ञं स्वाहा वाते धाः।।

(ग) मही द्यौः पृथिवी च न इमं यज्ञं मिमिक्षताम्।
पिपृतां नो भरीमभिः।।

7. नवमाध्यायस्य सारं विलिखत।

8. मन्त्रद्वयं ऋषि-देवता-छन्दः-विनियोग पुरस्सरं महीधरदिशा व्याख्यात।

(क) वाता वा मनो वा गन्धर्वाः सप्तविंशतिः।
अग्रेऽश्वमयुञ्जस्ते अस्मिञ्जवमादधुः।।

(ख) सोमं राजानमवसेऽग्निमन्वारभामेह।
आदित्यान्विष्णुं सूर्यं ब्रह्माणं च बृहस्पति स्वाहा।

(ग) अग्ने सहस्व पृतना अभिमातीरपास्य।
दुष्टरस्तरन्नरातीर्वर्चोध यज्ञवाहासे।।

9. दशमाध्यायस्य सारं विलिखत।

10. मन्त्रद्वयं ऋषि-देवता-छन्दः-विनियोग पुरस्सरं महीधरदिशा व्याख्यात।

(क) निषसाद धृतव्रतो वरुणः पस्त्यास्वा।
साम्राज्याय सुक्रतुः।।

(ख) युवं सुराममश्विना नमुचावासुरे सचा।
विपिपाना शुभस्पती इन्द्रं कर्मस्वावतम्।

(ग) सध्मादो द्युम्निनीराप एता अनाधृष्टा अपस्यो वसानाः।
पस्त्यासु चक्रे वरुणः सधस्थमपां शिशुर्मातृतमास्वन्तः।।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3115-B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग शुक्लयजुर्वेद (प्रातिशाख्यं याज्ञवल्क्य शिक्षा च)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. रङ्गे हस्तमुद्रायाः शास्त्र सम्मतो विलेखनीयः।

2. निम्नलिखितानां सूत्राणां भावार्थो लेख्यः।
   (क) नासिकामूलेन यमाः।
   (ख) उभयान्त्स्वरितः।
   (ग) द्विरुक्तमाम्रेडितं पदम्।
   (घ) न परकालः पूर्वकाले पुनः।
   (घ) अवसाने च।
   (च) इति स्वराः।
   (छ) इति स्पर्शाः।
   (ज) अक्षर समुदायः पदम्।

3. ज्ञवर्णोच्चारणविधिः याज्ञवल्क्य शिक्षानुसारं विवेचनीया।

4. निम्नाङ्कितेषु सूत्रेषु सोदाहरण व्याख्या कार्या-
   (क) स्वरितवान् स्वरितः।
   (ख) द्वितीयचतुर्थाः सोष्माणः।
   (ग) प्रथमग्ग्रहणे वर्गम्।
   (घ) अनुनासिका चोपध्वा।
   (घ) आम्रेडिते चोनरः।

5. अधोलिखितेषु प्रातिशाख्यसूत्रेषु केषाञ्चित् त्रयाणां अर्थो लेख्यः।
   (क) मुखनासिकाकरणोनुनासिकः।
   (ख) वर्णस्यादर्शनं लोपः।
   (ग) मात्रा च परिमाणे।
   (घ) पदान्तपदाद्योः सन्धिः।
   (घ) विसार्जनीयः
   (च) तत्र स्वराः प्रथमम्

6. प्रगृह्यसंज्ञा प्रकरणगतानां कानिचित् त्रीणि सूत्राणि उद्धृत्य तेषां व्याख्या कार्या।

7. याज्ञवल्क्यशिक्षायाः परिचयो देयः।

8. यकारस्य जकारोच्चारणं कथं भवतीति याज्ञवल्क्यशिक्षादिशानुसारं विवेचयत।

9. शुक्लयजुः प्रातिशाख्यदिशानुसारं वर्ण समाम्नायो विवेचनीयः।

10. प्रातिशाख्यस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3115-C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग शुक्लयजुर्वेद (प्रातिशाख्यं याज्ञवल्क्य शिक्षा च)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. परोक्षादित्रिविधिऋचां स्वरूपं सोदाहरणं विवेचयत।

2. वैदिक देवता सन्दर्भे यास्ककृतनिरुक्तानुसारं भक्तिसाहचर्यं निरूपयत।

3. 'द्रविणोदा' इति पदस्य निर्वचनानि विलिख्य तत्र शाकपूणेः मतमुपस्थापयत।

4. प्रयाजानुयाजानां देवतानां विषये एकं निबन्धं लिखत।

5. निरुक्तस्य महत्त्वं प्रतिपादयत।

6. निरुक्तदिशा युद्धोपकरणानि विषये एकं निबन्धं लिखत।

7. वास्तोस्पतिप्रसङ्गे यथाशास्त्रं विवेचयत।

8. 'अग्निरपि यम उच्यतें-इतिसमन्त्रकं वर्णयत।

9. पर्यावरण संरक्षणे पृथिवीसूक्तस्य योगदानं निरूपयत।

10. आधुनिकसमाजे पृथिवीसूक्तस्थोपयोगिता अस्ति न वा स्वकीयमतमुपस्थापयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3116-A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग साहित्य (काव्यम् शिशुपालवधम्)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. निम्नांकित पद्यस्य सप्रसङ्ग व्याख्या कार्याः

स काञ्चने यत्रा मुनेरनुज्ञया,
नवाम्बुदश्यामवपुन्र्यविक्षत।
जिगाय जम्बूजनितश्रियः श्रियं
सुमेरु श्रृङ्गस्य तदा तदासनम्।।

2. निम्नांकित पद्यस्य सप्रसङ्ग व्याख्या कार्याः

कलासमग्रेण गृहानमुञ्चता,
मनस्विनीरुत्कयितुं पटीयसा।
विलासिनस्तस्य वितन्वता रतिं,
न नर्मसाचिव्यमकारि नेन्दुना।।

3. निम्नांकित पद्यस्य सप्रसङ्ग व्याख्या कार्याः

विपक्षमखिलीकृत्य,
प्रतिष्ठा खलु दुर्लभा।
अनीत्वा पङ्कतां धूलि-
मुदकं नावतिष्ठते।।

4. निम्नांकित पद्यस्य सप्रसङ्ग व्याख्या कार्याः

सहजचापलदोष समुद्धत-
श्चलित दुर्बल पक्ष परिग्रहः।
तव दुरासदवीर्यविभाव सौ,
शलमतां लमतामसुहृद्गणः।।

5. निम्नांकित पद्यस्य सप्रसङ्ग व्याख्या कार्याः

स्निग्धाञ्जनश्याम रुचिः सुवृत्तो,
वध्वा इवाध्वंसितवर्णकान्तेः।
विशेषको वा विशिशेष यस्याः,
श्रियं त्रिलोकी तिलकः स एव।।

6. शिशुपालवधमधिकृत्य प्रथमसर्गस्य कथासारांशः लेख्यः।

7. निम्नांकितस्य सप्रसङ्गं व्याख्या कार्याः

तस्यातसीसूनसमानभासो,
भ्राम्यन्मयूखावलिमण्डनेन।
चक्रेण रेजे यमुनाजलौघः
स्फुरन्महावर्त इवैकबाहुः।।

8. निम्नांकितस्य सप्रसङ्गं व्याख्या कार्याः

राजीवराजीवशलोल भृङ्गं
मुष्णन्तमुष्णं ततिभिस्तरूणाम्।
कान्तालकान्ता ललनाः सुराणां,
रक्षोभिरक्षोभितमुद्वहन्तम्।।

9. ''माघे सन्ति त्रयो गुणाः'' इति कथानकं सम्यक् समालोचयत।

10. शिशुपालवध रचनाकारस्य काव्य सौन्दर्यं विवेचयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3116-B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग साहित्य (काव्यशास्त्रम् काव्यप्रकाश)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. मम्मटोक्तं काव्य लक्षणं सयुक्तिकं प्रतिपादयत।

2. को नाम अन्विताभिधनवादः? साधु व्याकुरुत।

3. आर्थीव्यञ्जनायाः भेदान् लिखित्वा वाच्यवैशिष्ट्येन व्यञ्जनायाः उदाहरणमेकं लिखत।

4. भरतोक्तरससूत्रं विलिख्य अभिनवगुप्तसम्मतम् अभिव्यक्तिवादं व्याकुरूत।

5. भावस्य लक्षणं लिखित्वा तस्योदाहरणं लिख्यताम्।

6. संलक्ष्यक्रमव्यङ्ग्यध्वनिः का? कति च तस्य भेदाः? व्याकुरूत।

7. गुणीभूत व्यङ्ग्यकाव्यस्य लक्षणं लिखित्वा तस्य भेदान् लिखित।

8. उत्तम काव्यस्य लक्षणं लिखित्वा एकमुदाहरणं लिखत।

9. अभिहितान्वयवादं व्याकुरुत।

10. व्यञ्जनां प्रति महिमभट्टस्य मतं प्रतिपादयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3116-C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग साहित्य

गद्यकाव्यम् (हर्षचरितम्)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. सप्रसङ्गं व्याख्यायताम्-

किं कवेस्तस्य काव्येन सर्ववृत्तान्त गामिनी।
कथेव भारती यस्य न व्याप्नोति जगत्रयम्।।
निर्गतासु न वा कस्य कालिदासस्य सूक्तिषु।
प्रीतिर्मधुर सान्द्रासु मञ्जरीष्विव दृश्यते।।

2. प्रथमोच्छ्वासस्य कथासारं लिखत।

3. सप्रसङ्गा व्याख्या कार्या?

रागिणि नलिने लक्ष्मीं दिवसो निदधाति दिनकर प्रभवाम्।
अनपेक्षितगुणदोषः परोपकारः सता व्यसनम्।।

4. सम्राजः हर्षस्य वर्णनं क्रियताम्।

5. सन्दर्भ सहितं व्याख्यायताम्

वंशानुगभविवादि स्फुटकरणं
भरत मार्ग भजन गुरु।
श्रीकण्ठविनिर्यातं
गीतमिदं हर्ष राज्य मिव।।

6. श्रीकण्ठजनपद वर्णनं कुरुत।

7. व्याख्यां कुरुत-

अरूण इव पुरःसरो रविं
पवन इवातिजवो जलागमम्।
शुभमशुभमथापि वा
नृणां कथयति पूर्वनिदर्शनोदयः।।

8. चतुर्थोच्छ्वासस्य कथा वैशिष्ट्यं लिखत।

9. बाणभट्टस्य वैदुष्यं सरल संस्कृत गिरा वर्णयत।

10. हर्षचरितस्य वैशिष्ट्यं लिखत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3117-A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग सिद्धान्तज्योतिष (करणगणितम्, कुण्डलीगणितञ्च)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. अहर्गणानयन प्रकारं ग्रन्थ दिशा लिखत।

2. मध्यमकुजबुधयोः साधनं कुरुत।

3. भुजकोटिपदानां साधनप्रकारं वर्णयत।

4. नक्षत्रायोगकरण साधन विधिं वर्णयत।

5. ग्रहाणां मन्द पफलसाधनं कुरुत।

6. भौमबुधशुक्राणां गतिसंस्कारः कथं क्रियते? लिखत।

7. पलभाचरखण्डानयन पूर्वकं लग्नसाधन विधिं प्रदर्शयत।

8. ग्रहस्पष्टीकरणगणितं सोदाहरणं प्रदर्शयत।

9. षड्वर्गाः के? परिचय पूर्वकं द्वादशांश साधनं कुरुत।

10. उच्चरश्मिसाधन विधिं सप्रमाणं विवृणुत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3117-B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग सिद्धान्तज्योतिष (सूर्यसिद्धान्त)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. कल्पप्रमाणं सौरमाने सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

2. मध्यमग्रहसाधने किं करणीयम्? सविस्तरं विवेचयत।

3. ज्यासाधनविधिं प्रस्तूयताम्।

4. मन्दफलसाधनविधिं सोदाहरणं प्रस्तूयताम्।

5. स्फुटदिग्ज्ञानं कथं क्रियते?

6. निरक्षोदयेभ्यः स्वदेशोदयसाधनविधिं उदाहरणपुरस्सरं प्रस्तूयताम्।

7. रविचन्द्रयोः कलात्मक विम्बानयनविधिं प्रस्तूयताम्।

8. स्थितिविमर्दार्द्धसाधनविधिं प्रस्तूयताम्।

9. लम्बनसाधनविधिं सविस्तरं प्रतिपाद्यताम्।

10. स्थितिविमर्दार्धयोः वैशिष्टयं किम्?

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3117-C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

'क' वर्ग सिद्धान्तज्योतिष (सूर्यसिद्धान्तः)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. ग्रहणपरिलेखपूर्वकं छेद्यकं विस्तरेण विवृणुत।

2. ग्रहयुतिः का? विस्तरेण वर्णयत।

3. विस्तरेण भग्रहयुतिविषये वर्णनं कुरुत।

4. उदयास्ताधिकारे प्रतिपाद्यविषयं वर्णयत।

5. चन्द्रबिम्बे शुक्लाङ्गुलसाधनं विस्तरेण वर्णयत।

6. को नाम पातः? विस्तरेण विलिख्य पाताः कतिध? तेषां फलं च वर्णयत।

7. देवासुराणां पितृणाञ्च अहोरात्रव्यवस्थां वर्णयत। द्विमासात्मक होरात्रञ्च च स्पष्टयत।

8. ग्रहाणां गतिषु न्यूनाधिकत्वे कारणं स्पष्टयत।

9. विस्तरेण गोलरचना प्रकारं लिखत। वैशिष्ट्यं च वर्णयत।

10. नवविधकालमानानि विस्तरेण प्रतिपादयत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3119 – A

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

न्यायदर्शनम् (मुक्तवली गुणखण्ड:)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. स्मृतिलक्षणं प्रतिपाद्य अनुभवस्य अनुभवत्वेन संस्कारकारणत्वं प्रतिपादयत ।

2. गुणकर्मणोर्लक्षणानि सपदकृत्यं निरूपयत ।

3. रूपलक्षणं प्रतिपाद्य चित्ररूपं व्यवस्थापयत।

4. द्वित्वादिप्रत्यक्षं अपेक्षाबुद्धेर्द्वित्वादिनिमित्तकारणत्वं च यथाग्रन्थं निरूपयत ।

5. परिमाणं तूलकादौ नाशस्त्वाश्रयनाशात:: इति ग्रन्थरीत्या परिमाणस्य आश्रयनाशान्नाशं निरूपयत ।

6. संयोगविभागौ सोदाहरणं विभज्य तयोर्लक्षणानि सपदकृत्यं निरूपयत ।

7. दोषोऽप्रमयाजनक: प्रमायास्तु गुणो भवेत् इति कारिकां यथाग्रन्थं व्याख्यात।

8. उपाधिलक्षणं तद् भेदांश्च प्रदर्शयत ।

9. लिंगत्रैविध्यं प्रदर्शयत ।

10. अर्थापत्तेरतिरिक्तप्रमाणत्वमाक्षिप्य निरसयत ।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3119 – B

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

न्यायदर्शनम्

शक्तिवादः (सामान्य काण्डतः)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. वाच्यत्वं वाचकत्वं च निरुप्य पदं गां वक्ति पदेन गौः उच्यते एत्यादो व्यवहारविषयं निर्धारयत ।

2. लक्षणोच्छेद प्रसंगमापाद्य लक्षणायाः आधुनिक संकेतस्य च वृत्तित्वमुपस्थापयत।

3. ज्ञाने पदानां शाक्तिः न त्वर्थे इति गुरुमतं निरुपयत।

4. लाक्षणिकस्य अननुभावकत्वदूषणेन प्रभाकर मतं दूषयत ।

5. इदं तु तत्वम् इत्यनेन लाक्षणिक पदानां वाचकत्वं पारयत ।

6. अन्विताभिधानवादि मतं निरूपयत ।

7. अत्र वदन्ति इत्यनेन ग्रन्थेन अन्वताभिधान वादिमतं सविस्तरं दूषयत।

8. अत्रवदन्ति तद्विशिष्टे शक्तिः इति ग्रन्थं सावतरणं व्याख्यात। घटादि पदानां क्व शक्तिः तदपि निरूपयत।

9. घटे घटत्वे तत्समवाये च घटपद वाच्यत्वं अर्थेति ग्रथोक्तदिशा उपपादयत ।

10. शक्यतावच्छेदके न शक्तिरिति दीधितिकारमतं प्रदर्श्य भट्टाचार्योक्तयुक्त्या दूषयत ।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3119 – C

शास्त्री तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

न्यायदर्शनम् (व्युत्पत्तिवदेः)

तृतीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. फलमात्रं कर्म प्रत्ययार्थः इति सिद्धान्तं व्यवस्थापयत ।

2. कर्तृकरणयोस्तृतीया इति सूत्रामिप्रेत तृतीयार्थ सोदाहरण निरुप्य यत्तुमतमुपपाध ।

3. सम्प्रदानत्व कर्मत्वयो रविशेष माक्षिप्यसमादद्यत।

4. वृक्षात् पर्ण पतति इत्यादौ पञ्चम्यर्थं निश्चित्य शाब्दबोधं वर्णयत ।

5. पञ्चमी समभिव्याहृतनञा अभावबोधकत्वं आक्षिप्य अत्राहुः इत्यनेन ग्रन्थेन समादधत ।

6. सम्बन्ध सामान्य विवक्षायां षष्ठी विधानं निरूपयत ।

7. सप्तमी समभिव्याहारे सोदाहरणं शाब्दबोधं निरूप्य-आधाराधेयभाव स्वरुपं चिन्तयत।
युगे युगे व्यतीतानि कस्य ते कस्य वा भवान ।।

8. सम्बुध्यन्तपद प्रयोग वैयर्थ्य आशंक्य समाधयत ।

9. सप्तमी कारके भूतले वर्तते घट इत्यादौ अयोग्यता माशंक्य निराकुरुत ।

10. चतुथी कारके – वृक्षायोदकमासिन्चति पत्ये शेते इत्यादौ सम्प्रदानत्वानुपपत्तिमाशक्य समादधत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3120 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

हिन्दी साहित्य (प्रयोजन मूलक हिन्दी)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. वर्तमान युग में संक्षेपण की आवश्यकता क्यों है?

2. प्रारूपण का अर्थ क्या है?

3. हिन्दी के सॉफ्टवेयर टूल कौन से हैं?

4. कामकाजी हिन्दी के विकास की क्या दिशाएँ है?

5. ड्डोत भाषा से क्या तात्पर्य है?

6. वैज्ञानिक एवं तकनीकी अनुवाद क्या है?

7. पत्राकारिता के क्षेत्रों का विस्तृत विवरण दीजिए।

8. खेल पत्राकारिता को स्पष्ट कीजिए।

9. परिपत्र का नमूना बनाइए।

10. ज्ञापन से क्या आशय है?

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3120 — B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र (अ)

(हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्पुफटगद्य-विद्याएँ एवं बुन्देली भाषा साहित्य)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

सुमरन कर कैं नारायण कौ, औ गनपति के चरन मनाय।
कहौं मनौआ अब आल्हा कौ, शारद मोकौं होतु सहाय।।
माहिल राजा की चुगली में, बाराबार भये परमाल।
आल्हा धये गढ़ कनउज में, मदुबें विपल रही सब काल।।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

रसना राम कौं नाम नगीना, मन मुँदरी में दीना।
नियत निषान खान से खोदों, ऐसा यान कतीं नाँ।।
देत उदोत जोत जैपुर की, यढ़ों भजन कौं मीना।
ईसुर देत हेत खाँ दीपक, कभउँ न होत मलीना।।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

हमारे रमटेरा की तान,
समझ लौ तीरथ कौ प्रस्थान,
जात हैं बुढ़ै, बालै ज्वान, जहाँ पै लाल ध्वजा पहरायँ।
नग-नग देत फरक वै भइया जौ दिवाली गायें दीवारी आई रे।
उमंगै लाई हैं।।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

आज भौरे
दिन काटै संजा कै आहै, रातैं कटी धैर की आशा।
एक मिलन कै हैत, अबै लौं हिलगी रई भौरी स्वाँसा
दीप शिखा से पहलै जइऔ, जीवन जौत बुझाय।
आज भौरे----------

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

डंका बाजौ गढ़ दिल्ली में, लश्कर तुरत होय तैयार।
बजौ नगाड़ा तब लश्कर में, क्षत्री सबै भये हुशयार।।
पहले डंका में जिनबंदीं दूजे बाँध लये हथयार।
तीजे डंका के बाजत खन, क्षत्री फाँद भये असवार।।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

नइयाँ ठीक जिन्दगानी कौं, बनों पिण्ड पानी कौ।
चोला और दूसरों नइयाँ, मानुष की सानी कौ।।
जोगी जती संन्यासी, का राजा रानी कौ।
जब चायें लै लेबै 'ईसुर' का बस है प्रानी कौ।।

7. बुन्देली भाषा की सीमा तथा क्षेत्रा का विवरणात्मक परिचय दीजिए।

8. टीकमगढ़ और झाँसी की बोली का तुलनात्मक, भिन्नता के साथ-साथ ओरछा क्षेत्र की बुन्देली भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

9. टी.एस. इलियट का जीवन-वृत्त एवं काव्य प्रतिभा पर प्रकाश डालिए

10. सन्तोषसिंह बुन्देला के भावपक्ष एवं कलापक्ष का चित्रण करते हुए उसकी तर्कयुक्त समीक्षा कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3120 — B

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र (ब)

(हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्पुफटगद्य-विद्याएँ एवं बघेली भाषा साहित्य)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

चरचरात कमरी काँध भा, हाथे भा पइनारी।
धरती मा बोगैं अनाज, पै जान परैं भिखियारी।।
खरी दुपहरी चारा होलै, करदा कहौ धरामै।
सिकसिकाय के चुवै पसीना, तऊ गोत ऊँयँ गामै।।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

मंदिर-महजिद मा, तुम जेखर करा पुजाई।
मालिक सब के उहै लड़ा तुम भाइ न भाई।।
कह सैफू कविराज, अरे अक्किल का माँजा।
तुम दूनौ हा एक, दइउ तो सब कै राजा।।

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

तेल मोहाल जहाँ, ओहे कुटिया थनी लुचुइयाँ आजु
सुनेन कि भागि जागि पटबारी साहब रूके रहें।
पेट काटि के नटरोति हुइ हाँड़ा गाड़ि दिहिन
जब तक जियें, देह मा ओनके चीलर परे रहें।।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

सब दिन कहिनि ऊँ करिनि नहीं, हाँ बड़े बने।
कहि कइ जो छोरेउ आजु न कीन्हिनि त का होइगा।।
दुनियाँ इह गोलि चलि रही पुनि कइ तियइ अई।
बटरोहि हियउँ जो अड़ा रहिगा त का होइगा।।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

पंडित पोथी-पन्ना आपन कठिआय धरिन।
ठंडान गुरु बाबा जब गोन्ना पार करिन।।
चेला सब होइगें खाँड़ गुरु गुड़ मा रहिगै।
झुरती नदिया मा धरम करम सगलें बहिगें।।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

बरखा के बाद जाड़े जो धेरिसि त का होइगा।
आगी ऊ पेट मा भला बारिसि त का होइगा।
ओनकरि न चुकी रोटी पइ पर हर भूँखि तउ चुकी।
ठारे भा एनकरि रोटी जो चुकि गइ त का होइगा।

7. बघेली में रचित साहित्य का ऐतिहासिक विवरण प्रस्तुत कीजिए।

8. बघेली भाषा की विशेषताएँ लिखिए।

9. शिवशंकर मिश्र ''सरस'' का जीवन परिचय एवं रचनाओं पर संक्षिप्त निबन्ध लिखिए।

10. अमोल बटरोहि का जन्म, रचनाएँ, विषय एवं संदेह व्यक्त कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3120 — B

शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

हिन्दी साहित्य वैकल्पिक प्रश्नपत्र (स)

(हिन्दी नाटक, निबंध तथा स्पुफटगद्य-विद्याएँ एवं मालवी भाषा साहित्य)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

जद जद माँ की आँख्याँ छलकी माँ ने शीश कटाया
म्हूँ मानूँ हूँ म्हारी माँ बेनाँ ने कुल का रतन लुटाया
पण, चार चँदरमाँ और लगई लो देई ने पसीनो दान में
मेहनत कर बा वारा मरदाँ, अई जावो मैदान में।।

2. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

मेहनत को मोरत अई ग्यो हैं सोरत बेईगी हैं भारी,
आज पसीनों अणपूजो हैं माँगीर्यो पूजा भारी,
तोक फावड़ो, तोक कुदारी पग पग करदे पँतवारी,
मेंहदी पूँफदी काजर में, यूँ मोरत मती चुकाव,
तू मेंहदी मती लगाव, ऐ म्हारी बैन रुपारा हाथाँ में-------

3. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

कारी कारी गाय को धेरो-धेरो दूध रे भई,
भर्या-भर्या मारला तायो-तायो दूध रे भई,
मचमचाती मारली छपछपाती हाहा रे भई,
कसमसाती काँचली चमचमाती खाँच रे भई,
घमड़-घमड़, घमड़-घमड़ जावण वाजे
भाभी थारो बेरको हाले।

4. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

सगुण मीठो खाँड सो, निरगुण कड़वो नीम।
पीपा गुरू जो पुरस दे, निरभय होकर जीम।।
हाथ दिए सत् कर्म कूँ, जिव्हा सिमरन नाम।
सतगुरू रे साथे चले, पीपा आठहूँ याम।।

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

विंध्याचल की बाग गुफा में, पाण्डव की तस्वीर है
गौतम की अनमोल सीख में, दुनिया की तकदीर है।
साँची जई सन्देसो लाजो
दूर-दूर उनके पोंचा जो
प्रेम भाव की जोत जगाओ-
दुनियाँ का नर-नारी सुणजो
धरती का ई बोले रे।
मालवी की माटी को,
सन्देसो यो अनमोल रे।।

6. सप्रसंग व्याख्या कीजिये-

पाप की ने पुण्य की, खोटी कदी मत बात कर
छोड़ नरकाँ की, सराग की, एक मन की बात कर
जो मीटे नी जो खुटे नी खरचवा से भी वदे
वाँटवा से भी बढ़े, बस प्रेम-धन की बात कर।।

7. मालवी के आधुनिक काल के कवियों की काव्य-प्रतिभा एवं उनकी रचनाओं की विशेषताओं को निर्धारित कीजिए।

8. उज्जैन नगरी का धार्मिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक महत्व निर्धारित कीजिए।

9. हरीश निगम का जीवन-वृत्त, शिक्षा, राजनैतिक एवं साहित्यिक जीवन पर एक सारगर्भित लेख लिखिए।

10. भावसार बा का जीवन परिचय, परिवार, रचना और सम्पर्क काव्य का विषय, भाषा शैली और प्रियता पर विस्तृत लेख लिखिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3121 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

राजनीति विज्ञान (भारत की विदेशनीति)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. भारतीय विदेश नीति के प्रमुख सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

2. भारतीय विदेश नीति के निर्धरक तत्वों की विवेचना कीजिए।

3. वर्तमान समय में भारत-पाकिस्तान सम्बन्धों का परीक्षण कीजिए।

4. सन् 2000 से भारत-अफगानिस्तान सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए।

5. वर्तमान समय में भारत-अमेरिका सम्बन्धों पर प्रकाश डालिए।

6. 1990 के बाद भारत-चीन सम्बन्धों की व्याख्या कीजिए।

7. भारत और आसियान पर एक निबन्ध लिखिए।

8. ब्रिक्स में भारत की भूमिका का विस्तृत वर्णन कीजिए।

9. भारत में मानवाधिकार विषय पर एक निबन्ध लिखिए।

10. भारत पर सीमा पार के आतंकवाद के प्रभाव का वर्णन कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3121 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

राजनीति विज्ञान (लोक प्रशासन)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. लोक प्रशासन का अर्थ, परिभाषा एवं क्षेत्र बताइए।

2. लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन के मध्य समानता एवं असमानता की चर्चा कीजिए।

3. सूत्र अभिकरण पर एक टिप्पणी लिखिए।

4. मुख्य कार्यपालिका से आप क्या समझते हैं? उसके कार्यों की विवेचना कीजिए।

5. लोक सेवा में भर्ती की विभिन्न विधियों की व्याख्या कीजिए।

6. पदोन्नति की परिभाषा दीजिए। योग्यता बनाम वरिष्ठता के सिद्धान्त को समझाइए।

7. बजट की परिभाषा दीजिए तथा एक अच्छे बजट की क्या विशेषताएँ हैं?

8. भारत में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के कार्यों एवं भूमिका का परीक्षण कीजिए।

9. लोकपाल की शक्तियों एवं स्थिति का वर्णन कीजिए।

10. ई-गवर्नेन्स पर एक निबन्ध लिखिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3122 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

अर्थशास्त्र (विकास एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. आर्थिक विकास को निर्धारित करने वाले आर्थिक एवं अनार्थिक घटकों की विवेचना कीजिए।

2. आध-विकसित अर्थव्यवस्था की मूलभूत विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

3. शुम्पीटर के आर्थिक विकास सिद्धान्त को समझाइए।

4. मानव विकास सूचकांक का महत्व बताइए।

5. प्रो. हैरोड के वृद्धि मॉडल की विवेचना कीजिए।

6. हर्षमैन के असन्तुलित विकास सिद्धान्त की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

7. महिला सशक्तिकरण हेतु सरकारी प्रयासों का मूल्यांकन कीजिए।

8. भारत के आर्थिक विकास के लिए पूँजी प्रधान एवं श्रम प्रधान तकनीकों में से कौन सी सर्वाधिक उपयुक्त है। व्याख्या कीजिए।

9. आर्थिक विकास के पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों को बताइए।

10. वायु प्रदूषण पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3122 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

अर्थशास्त्र (सांख्यिकी)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. सांख्यिकी से क्या आशय है? अर्थव्यवस्था में इसके महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. प्राथमिक संमक संकलन की प्रमुख विधियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

3. निम्नलिखित संमकों से मध्यका का मान ज्ञात कीजिए-

अंक	20-30	30-40	40-50	50-60	60-70	70-80
विद्यार्थियों की संख्या	12	18	15	24	32	09

4. निम्नलिखित श्रेणी से मध्य विचलन ज्ञात कीजिए-

पद	10	20	30	40	50	60	70
आवृति	4	12	18	15	10	6	5

5. निम्नलिखित संमकों के द्वारा कार्ल पियर्सन सह-सम्बन्ध गुणांक की गणना कीजिए-

आय (हजार रु.)	36	40	53	50	51	65	66	40	54	55
व्यय (हजार रु.)	26	16	17	19	22	42	37	22	24	25

6. निम्नलिखित संमकों से दो प्रतीपगमन समीकरण ज्ञात कीजिए-

X	1	2	3	4	5	6	7
Y	2	4	7	6	5	6	5

7. निम्नलिखित संमकों से फिशर का आदर्श सूचकांक ज्ञात कीजिए-

	आधार वर्ष		चालू वर्ष	
वस्तु	कीमत	व्यय	कीमत	व्यय
A	10	50	5	60
B	4	32	3	24
C	5	25	4	16

8. तीन वर्षीय चल माध्य के आधर पर प्रवृत्ति ज्ञात कीजिए-

वर्ष	1965	1966	1967	1968	1969	1970	1971	1972	1973	1974	1975
मूल्य	10	15	12	18	15	22	19	24	20	26	22

9. अनुसंधान से क्या तात्पर्य है? इसके प्रकारों की संक्षेप में विवेचना कीजिए।

10. अनुसंधान चयन समस्या में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3123 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

इतिहास (भारत का इतिहास 1740 से 1857 ई.)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. पानीपत के तृतीय युद्ध के प्रमुख कारणों पर प्रकाश डालिए।

2. प्लासी युद्ध के कारणों की चर्चा कीजिए।

3. स्थायी बंदोबस्त (Permanent Sattlement) क्या था? इसकी समीक्षा कीजिए।

4. सहायक संधि से आप क्या समझते हैं? इस संधि के गुण एवं दोषों पर समुचित प्रकाश डालिए।

5. ''लार्ड डलहौजी आधुनिक भारत का निर्माता था''- इस कथन को समझाइए।

6. सन् 1857 की क्रांति के कारणों पर प्रकाश डालिए।

7. लार्ड विलियम बैन्टिक द्वारा किए गए सामाजिक सुधारों की विवेचना कीजिए।

8. ''राजा राममोहन राय भारतीय पुनर्जागरण के जनक थे।''- इस कथन को समझाइए।

9. भारतीय कुटीर उद्योगों के विनाश के क्या कारण थे? स्पष्ट कीजिए।

10. धन के निष्कासन (Drain of Wealth) से आप क्या समझते हैं? इससे होने वाले परिणामों पर चर्चा कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3123 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

इतिहास (भारत का इतिहास 1858 से 1950 ई. तक)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. भारत सरकार अधिनियम, 1858 की प्रमुख विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

2. लॉर्ड रिपन के आन्तरिक प्रशासन पर प्रकाश डालिए।

3. ब्रिटिश शासन के अन्तर्गत कृषक आन्दोलनों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

4. भारत में क्रांतिकारी आन्दोलन के महत्व का परीक्षण कीजिए।

5. असहयोग आन्दोलन के कार्यक्रम और महत्व पर प्रकाश डालिए।

6. भारत छोड़ों आन्दोलन के कारण तथा परिणामों की व्याख्या कीजिए।

7. राष्ट्रीय आन्दोलन में सुभाषचन्द्र बोस की आजाद हिन्द फौज के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।

8. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

9. ब्रिटिश कालीन भारत में स्त्रियों की दशा सुधारने हेतु किए गए कार्यों का विवरण दीजिए।

10. आधुनिक भारतीय पुनर्जागरण में आर्य समाज तथा स्वामी दयानन्द सरस्वती के कार्यों की विवेचना कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3124 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

समाजशास्त्र (प्रमुख समाजशास्त्रीय विचार)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. दुर्खीम के धर्म के सिद्धान्त की अवधरणा स्पष्ट कीजिए।

2. पिटरिम सोरोकिन के परिवर्तन सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

3. सत्ता के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. मार्क्स के अतिरिक्त मूल्य के सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

5. पारसंस के सामाजिक क्रिया सिद्धान्त की व्याख्या/विवेचना कीजिए।

6. पैरेटो के अभिजात वर्ग के परिभ्रमण के सिद्धान्त को समझाइए।

7. गाँधी जी के अहिंसा के विचारों का वर्णन कीजिए।

8. गाँधी जी की संरक्षकता की अवधरणा स्पष्ट कीजिए।

9. भारत में पश्चिमीकरण पर निबन्ध लिखिए।

10. परम्पराओं के आधुनिकीकरण की व्याख्या कीजिए।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3124 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

समाजशास्त्र (सामाजिक अनुसंधान विधि)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. सामाजिक अनुसंधान का महत्व बताइये।

2. वैज्ञानिक शोध के प्रमुख चरण लिखिये।

3. निदर्शन पद्धति की विशेषताओं को बताइये।

4. साक्षात्कार से आप क्या समझते हैं ? व्याख्या कीजिये।

5. बोगाडर्स का सामाजिक दूरी का पैमाना क्या होता है? व्यख्या कीजिये।

6. एक अच्छी सारणी की विशेषताएं बताइये।

7. सांख्यिकी की उपयोगिता बताइये।

8. केन्द्रीय प्रवृत्ति का अर्थ एवम् विशेषताएं लिखिये।

9. तथ्यों के चित्रमय प्रदर्शन से आप क्या समझते है ? इसके प्रमुख उद्देश्य लिखिए।

10. सामजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर की उपयोगिता बताइये।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3125 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

अंग्रेजी साहित्य (Contemporary Literature)

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. Write an essay on Eliot as a Modern poet.

2. Write a critical appreciation of "Prayer for my Daughter".

3. Write a critical appreciation of "Night mail".

4. Write a critical appreciation of the poem "A Better Resurrection".

5. Write a character sketch of Rahmat (Kabuliwala) in your own words.

6. What are the chief characteristics of the plays of Tenanessee Williams.

7. Write a brief essay on the "Patriotism Bengal Politics and Religion" in your own words.

8. Describe Tagore's influence in Bangladesh and other countries.

9. Describe Ruskin Bond's views as an ardent lover of India.

10. Write a critical appreciation of 'An Astrologer's Day' by R. K. Narayan.

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3125 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

अंग्रेजी साहित्य (Indian Writing in English)

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. Write an essay on Development of Indian Writing in English with suitable example.

2. Evaluate Rabindranath Tagore as a lyrical poet with the reference of the "Gitanjali".

3. Write an essay on Sarojini Naidu as a love poet.

4. In your own words, give the brief account of Gandhi's approach towards school education.

5. J. L. Nehru was a historian with a poetic Vision - Comment.

6. Discuss Rabindranath Tagore as a Mystic poet of India.

7. Write a brief essay on Giris Karnad's Art of characterization as evidenced in the play "Tughlaq".

8. Write an essay on Asif Currimbhoy as a dramatist with the reference to "Goa".

9. Write a critical appreciation of the short story "A Pair of Mustachios"?

10. Write a critical appreciation of "The Mark of Vishnu"

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3126 – A

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

कर्मकाण्ड

प्रथमप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. सोमयागं संक्षेपेण परिचाययत।

2. स्मार्तयागानां महत्त्वं प्रतिपादयत।

3. यज्ञमण्डपनिर्माणस्य के अवधेयांशाः? विवेचयत।

4. सर्वतोभद्रमण्डलनिर्माण प्रक्रियां विलिखत।

5. लिङ्गतोभद्रमण्डलस्य कति भेदाः? किमर्थं निर्मीयते?

6. योनिखरनिर्माणप्रक्रियां सप्रयोजनं विलिखत।

7. केषाञ्चित् पञ्चयज्ञपात्राणां सविस्तरं स्वरूपसहित च परिचयो देयः।

8. नवचण्डीहोमानुष्ठानसम्बद्ध हवन सामग्रीं परिचाययत।

9. गणपत्यथर्वशीर्षं (फलश्रुतिं विहाय) विलिखत।

10. रुद्राष्टाध्याः न्यासान् विलिखत।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3126 – B

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए. तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021

कर्मकाण्ड

द्वितीयप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 शब्द।

1. वास्तु महत्त्वं विशदयत।

2. वास्तु-परिचयं यथाग्रन्थं यच्छत।

3. गृहनिर्माणे भूमिपूजनं लिखत।

4. उत्तम-मध्यम-अधम-क्रमेण भूमिचयनं निर्दिशत।

5. वस्तुमण्डलं निर्माय तद्देवतादिकं निगदत।

6. वास्तु होमकर्म प्रयोगदिशा विशदयत।

7. वास्तुशान्तिं समीक्षयत।

8. वास्तुचक्रं निर्माय तद्देवता-ज्ञानादिकं च निर्दिशत।

9. वास्तुपूजने नवाहुतिक्रमं विलिखत।

10. वास्तुकर्मणि श्रेयः सम्पादनम् अभिषेक कर्म च निगदत्त।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3127

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए.
तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021
विषय – संगीत

पूर्णांक - नियमित 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- सर्व प्रश्ना समाना । प्रत्येक प्रश्नस्य कृतं 16 अंका निर्धारित उत्तरलेखनाय अधिकतम शब्द सीमा 300 शब्द सन्ति ।

1. अंतराल, मेजर टोन, सेमिटोन, ऑक्टेव को स्पष्ट रूप से समझाये।

2. वाग्गेयकर की परिभाषा सहित प्रकार एवं लक्षण बताइये ।

3. मूर्च्छना किसे कहते है। मूर्च्छना के प्रकार स्पष्ट रूप से समझाइये ।

4. तान की परिभाषा देते हुऐ तानों के प्रकार बताइये ।

5. पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक राग का स्वरलिपि सहित बड़ा ख्याल लिखिए ।

6. पाठ्यक्रम में निर्धारित रागों का विवरण तथा तुलनात्मक अध्ययन करिये ।

7. राग-रागिनी का वर्गीकरण समझाइये ।

8. ताल रूपक तथा दीपचंदी की ठाह, दुगुन तथा चोगुन सहित लेखन।

9. निम्नलिखित संगीतज्ञ में से किन्ही दो के जीवन परिचय तथा संगीत के क्षेत्र में योगदान लिखिये।
   1- पं भीमसेन जोशी 2- पं कु गंधर्व ।
   3- विदुषी किशोरी जी । 4- विदुषी प्रभा अत्रे ।

10. थाट मारवा, तोडी तथा भैरवी में प्रारिंभिक पाँच अलंकारो का लेखन कीजिए ।

-----X-----

अनुक्रमांक.....

3132

शास्त्री/बी.ए.बीएड./बी.ए.
तृतीय वर्ष परीक्षा, 2021
योग
षष्ठप्रश्नपत्रम्

पूर्णांक - **नियमित** 80
स्वाध्यायी 100

नोट :- निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही 05 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सभी प्रश्न समान अंको के हैं। अधिकतम शब्दसीमा 300 **शब्द।**

1. स्वास्थ्य की परिभाषा देते हुए उसकी विशेषताओं को समझाये ।

2. उपवास का अर्थ बताते हुए उसके लाभ तथा सावधानियों को समझाइये ।

3. निम्नलिखित रोगों के लक्षण, कारणों तथा उनके निदान हेतु योगिक उपचारों को विस्तारपूर्वक समझाइये । (कोई दो)

4. निम्नलिखित रोगों के लक्षण, कारणों तथा उनके निदान हेतु योगिक उपचारों को विस्तारपूर्वक समझाइये । (कोई दो)
अस्थमा, कब्ज तथा मोटापा ।

5. मानसिक स्वास्थ्य का अर्थ समझाते हुए योग से मिलने वाले दस प्रभावों को समझाइये ।

6. टिप्पणी लिखिए । (कोई दो)
तनाव, चिंता व अवसाद

7. व्यक्तित्व का अर्थ तथा परिभाषा देते हुए भारतीय दर्शन के सन्दर्भ में व्यक्तित्व को समझाइये ।

8. व्यक्तित्व के विकास हेतु योग के महत्व को समझाइये ।

9. मूल्यों की अवधारणा स्पष्ट करते हुए उसके प्रकार तथा महत्व को समझाइये ।

10. मूल्यशिक्षा से चरित्र निर्माण विषय की विस्तारपूर्वक समझाइये ।

-----X-----